



**Indraprastha College for Women
University of Delhi**

Work Plan for ODD SEMESTER – 2026

Course Name:	B.A. Programme
Paper Title:	DSE 3: Introduction to Itihaas Puran Tradition
Unique Paper Code:	
Semester:	V
Faculty:	Dr. Kanta
Year:	2026- 27

Work Plan			
Unit No.	Learning Objective	Lecture No.	Topics to be Covered
II	संस्कृत साहित्य के प्रारूप को समझना	1	संस्कृत साहित्य के इतिहास पर एक विहंगम दृष्टि
II	लौकिक संस्कृत के उपक्रम को समझना	2	आदिकाव्य रामायण का सामान्य परिचय
II	रामायण को पढ़कर उच्च आदर्शों की समझ विकसित करना	3	रामायण के प्रथम चार काण्डों में वर्णित विषयवस्तु पर चर्चा
II	रामायण का अध्ययन लोकाचार एवं धर्म को समझने में सहायक	4	शेष सुंदरकांड आदि की विषय-वस्तु व प्रक्षिप्तांशो पर चर्चा
II	रामायण के तथ्यात्मक पहलुओं को समझना	5	रामायण के रचनाकर्ता एवं रचनाकाल का विवेचन
II	शोधपरक दृष्टि में अभिवृद्धि	6	रामायण के विभिन्न संस्करण
II	आधारग्रंथ स्वरूप रामायण की लोकप्रियता को समझना	7	रामायण का उपजीव्यत्व पर चर्चा
II	रामायण काव्य की सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक महत्ता को समझना	8	रामायण का सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक महत्व
II	साहित्यिक दृष्टि से रामायण की महत्ता को समझना	9	रामायण में प्रयुक्त काव्यशास्त्रीय तत्वों का विवेचन
II	शोध एवं समीक्षा की दृष्टि से रामायण के महत्व को समझना	10	रामायण की टीकाएं, उपलब्ध अन्य रामायण ग्रंथ व निष्कर्ष
III	लौकिक साहित्य में ऐतिहासिक काव्य की भूमिका को समझना	11	महाभारत का सामान्य परिचय एवं इसका स्वरूप

III	भारतीय इतिहास के प्रति गंभीर चिंतन में अभिवृद्धि	12	महाभारत का विकास क्रम - जय, भारत, महाभारत
III	महाभारत में वर्णित घटनाक्रम से इतिहासवृत्त को जानना	13	महाभारत के प्रथम 10 पर्वों की विषय-वस्तु पर चर्चा
III	काव्य में वर्णित कथाओं से प्राचीन भारतीय इतिहास को समझना	14	महाभारत अंतिम आठ पर्व की विषय-वस्तु का विवेचन
III	शोध परक दृष्टि में अभिवृद्धि	15	महाभारत के विभिन्न संस्करण एवं रचनाकाल पर चर्चा
III	स्रोत ग्रंथ के रूप में महाभारत काव्य की लोकप्रियता को समझना	16	महाभारत के उपजीव्यत्व पर चर्चा
III	ऐतिहासिक दृष्टि से महाभारत की सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक महत्ता को समझना	17	महाभारत का सांस्कृतिक एवं साहित्यिक दृष्टि से महत्त्व
III	साहित्यिक दृष्टि से महाभारत की महत्ता को समझना	18	महाभारत में प्रयुक्त रस योजना एवं अन्य काव्य शास्त्रीय तत्व
III	धर्म-अधर्म के वास्तविक स्वरूप को समझना	19	महाभारत में वर्णित कुछ विशिष्ट अंश
III	तुलनात्मक अध्ययन से वास्तविक तथ्यों के समीप पहुंचना	20	रामायण एवं महाभारत पर एक तुलनात्मक दृष्टि
III	शोध की दृष्टि से महाभारत के महत्त्व को समझना	21	महाभारत पर रचित टीकाएं एवं निष्कर्ष
IV	पुराण शब्द के वास्तविक अर्थ को समझना	22	पुराण शब्द का व्युत्पत्तिपरक अर्थ एवं पुराण का लक्षण
IV	पुराण साहित्य में वर्णित प्राचीन भारतीय इतिहास को समझना	23	पुराणों में प्रतिपादित विषय वस्तु
IV	समीक्षात्मक दृष्टि से पुराण साहित्य को समझना	24	पुराणों की संख्या एवं उनका विभाजन
IV	पुराण साहित्य का तथ्यागत विश्लेषण करना	25	पुराण का रचनाकाल
IV	पुराण रूपी दर्पण से प्राचीन भारत को समझना	26	प्रमुख पुराणों का परिचय
IV	मानवीय मूल्यों की दृष्टि से पुराण के महत्त्व को समझना	27	पुराण साहित्य का धार्मिक ऐतिहासिक एवं नैतिक महत्त्व
IV	प्राचीन इतिहास व शोध दृष्टि से पुराण के महत्त्व को समझना	28	पुराण साहित्य का भौगोलिक राजनैतिक, साहित्यिक महत्त्व
IV	उपरोक्त विषयों का परीक्षा की दृष्टि से मूल्यांकन	29	अवशिष्ट विषयों पर चर्चा

Unit	Contents/Syllabus
I	Unit 1- Meaning and Significance of Itihāsa- purāṇa • Meaning of Itihāsa and purāṇa, its mention in Atharvaveda (15-6-8,11), Chāndogya upaniṣada 7.4, Arthaśāstra 1.5) • Exposition of इतिहासपुराणाभ्यां वेदं समुपबृंहयेत् • Panca Lakṣaṇa (five characteristics) of purāṇa • Place of Itihāsa- purāṇa in Indian narrative traditio
II	Unit II - Rāmāyaṇa The text and author, various versions and critical edition, ethos and culture in Rāmāyaṇa, as a source-book (Upajīvyā) for the later literary production.
III	Unit III - Mahābhārata The text and author, evolution of the text- Jaya, bhārata, mahābhārata, brief description of 18 chapters, Mahābhārata as an encyclopaedic text, as a sourcebook (Upajīvyā) for the later literary production.
IV	Unit 4- Purāṇa Brief introduction to 18 Purāṇas, purāṇa as source-book of history, religion, culture, geography, art and craft.
Sr. No.	<u>Name of Authors/Books/Publishers</u>
II	1. वाल्मीकी रामायण गोरखपुर ,गीताप्रेस ,2021 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि 3. History of Classical Sanskrit Literature, Keith, A.B., MLBD, Delhi 4. Ramayana – C. Rajgopalachari, Mumbai, Bhartiya Vidya Bhawan, 2013
III	1. भारतीय साहित्य पर महाभारत का प्रभाव ,चन्द्रकांत बांडवदेकर आय प्रकाशन मंडल ,2009 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि 3. History of Classical Sanskrit Literature, Keith, A.B., MLBD, Delhi 4. Mahabharata – C. Rajgopalachari, Mumbai, Bhartiya Vidya Bhavan, 2010
IV	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि 2. History of Classical Sanskrit Literature, Keith, A.B., MLBD, Delh. 3. पुराण-विमर्श- बलदेव उपाध्याय

--	--	--	--	--

Credits	Lecture (L)	Tutorial (T)		
2	2	0		
S.No.	Component	Marking Scheme		
1	Internal Assessment	IIP- I.A. - 12+12+6=30		
	• Assignment	12		
	• Class Test	12		
	• Attendance	06		
2.	Continuous Assessment (Tutorial)	C.A: 20+15+05=40		
	• Activity 1	20		
	• Activity 2	15		
	• Attendance	05		
3.	Practical			
	• Continuous Assessment			
	• End Term Written/Practical Exam			
	• Viva			
4.	End Semester Examination			



Indraprastha College for Women University of Delhi

Work Plan for ODD SEMESTER – 2026

Course Name:	B.A.HONS (Sanskrit)
Paper Title:	DSE-17: Basic Skills of Research Paper& Dissertation
Unique Paper Code:	2133100019
Semester:	VII
Faculty:	Dr. Kanta
Year:	2026-27

Work Plan			
Unit No.	Learning Objective	Lecture No.	Topics to be Covered
I	रिसर्च वा शोध के अर्थ को समझेंगे	1	शोध का अर्थ एवं उसके पर्याय
I	शोध के उद्देश्यों से अवगत होंगे	2	शोध का प्रयोजन व उपयोगिता
I	शोध के विविध प्रकारों को जानेंगे	3	शोध के विविध प्रकार सोदाहरण
I	शोध प्रविधि क्या है इसको समझेंगे	4	संस्कृत में शोध की प्रविधियां
I	शोध प्रक्रिया के घटक तत्वों में सर्वप्रथम विषय चयन व साहित्य सर्वेक्षण को जानेंगे	5	शोध प्रक्रिया-शोध विषय का चयन, पूर्वकृत कार्यों का सर्वेक्षण
I	परिकल्पना पर आधारित शोध की रूपरेखा का निर्माण करेंगे	6	शोध विषय परिकल्पना, शोध प्रारूप का निर्माण,
I	शोध लेखन की विधि समझेंगे	7	शोध की लेखन विधि पर चर्चा
I	सामग्री संकलन हेतु मूल ग्रंथों व सहायक ग्रंथों का अध्ययन करेंगे	8	सामग्री संकलन-मूल स्रोत, सहायक स्रोत
I	सामग्री संकलन हेतु ई-उपकरणों, एवं लघु शोधप्रबंध, शोधप्रबंध, शोध पत्र-पत्रिकाओं को खोजेंगे	9	सामग्री संकलन- ई-उपकरण, शोध उपकरण पर चर्चा
II	संस्कृत में शोध पत्र लेखन की संपूर्ण प्रक्रिया को समझेंगे	10	शोध पत्र-लेखन प्रक्रिया-विषय का चयन, शोधसार का वर्णन
II	शोधपत्र में विषयचयन से लेकर उसके प्रस्तुतिकरण व निष्कर्ष पर्यंत शोध-प्रक्रिया को सीखेंगे	11	पत्रलेखन से पूर्व साहित्य समीक्षा, मुख्य भाग की रूपरेखा पर चर्चा
II	लेखनोपरांत शोधपत्र में आवश्यक संशोधन करना सीखेंगे	12	मुख्य भाग का लेखन, पुनः अवलोकन अथवा सम्पादन
II	शोधपत्र में शोधसार, मुख्यशब्द एवं भूमिका की महत्ता को जानेंगे	13	शोधपत्र के प्रमुख घटक तत्व-शोधसार, मुख्य शब्द, भूमिका
II	शोध के प्रयोजन, प्रविधि आदि सभी शोध पहलुओं को सीखेंगे	14	साहित्यसमीक्षा, प्रयोजन, शोधप्रविधि, मुख्य विषय का प्रस्तुतिकरण
II	निष्कर्ष व संदर्भ लेखन की विधि से परिचित होंगे	15	निष्कर्ष, भावी अनुसंधान की दिशा, संदर्भ ग्रंथसूची, अभिस्वीकृति
II	परीक्षोपयोगी बिंदुओं को समझेंगे	16	अवशिष्ट विषयों पर चर्चा

Unit	Contents/Syllabus
I	Unit I: Theoretical concept of Research Introduction, Objectives and Types of Research Outline of Research Work ,Topic Selection and Writing Methods Material Collection: Primary and Secondary,E-Recourses and Research Tool.
II	Unit II: Basics of Research Paper Writing -Topic Selection ,Review of Literature ,Drafting the body, Revision/Editing. Major Components of a Research Papers :Abstract, Keywords, Background and Introduction, Review of Literatures, Objective, Material (data) and methodology, result and discussions, conclusions,finding, future direction of research, acknowledgement, references.
SR. NO.	Name of Authors/Books/Publishers
I	1. Teacher's notes, ppt, and handout 2. http://www.makeuseof.com/tag/5-powerpoint-tips-improve-presentation-skills-overnight/ 3. https://www.slideshare.net/subagini/effective-presentation-skills-28512891 4. http://www.free-power-point-templates.com/articles/18-tips-to-improve-presentationskills
II	1. Teacher's notes, ppt, and handout 2. http://www.makeuseof.com/tag/5-powerpoint-tips-improve-presentation-skills-overnight/ 3. https://www.slideshare.net/subagini/effective-presentation-skills-28512891 4. http://www.free-power-point-templates.com/articles/18-tips-to-improve-presentationskills

				Paper C
Credits	Lecture (L)	Tutorial (T)		
2	1	1		
				Assessm
S.No.	Component	Marking Scheme		
1	Internal Assessment	I.A: 12+12+6=30		

	• Assignment • Class Test • Attendance	12		
		12		
		06		
2.	Continuous Assessment (Tutorial)	C.A: 20+15+5=40		
	• Activity 1 • Activity 2 • Attendance	20		
		15		
		05		
3.	Practical			
	• Continuous Assessment • End Term Written/Practical Exam • Viva			
4.	End Semester Examination			



Indraprastha College for Women University of Delhi

Work Plan for ODD SEMESTER – 2026

Course Name:	B.A.Programme
Paper Title:	DSC-Minor: Sanskrit Theatre
Unique Paper Code:	2132202301
Semester:	III
Faculty:	Dr. Kanta
Year:	2026-27

Work Plan			
Unit No.	Learning Objective	Lecture No.	Topics to be Covered
III	दृश्यकव्य के स्वरूप से परिचित होंगे	1	दृश्यकव्य-अर्थ, भेद-रूपक(10) उपरूपक(18), विविध उपनाम

III	नाट्य-विषयक ज्ञान में वृद्धि प्राप्त कर सकेंगे	2	नाट्यशास्त्रीय परंपरा में भरत मुनि, अभिनवगुप्त एवं धनंजय
III	अभिनय के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे	3	अभिनय की परिभाषा, स्वरूप व अभिनय के चार भेद
III	आंगिक अभिनय को भेदों सहित समझेंगे	4	आंगिक अभिनय-शारीरज, मुखज, चेष्टाकृत
III	वाचिक अभिनय से पाठ्य एवं भाषा संबंधी प्रयोग को जानेंगे	5	वाचिक अभि. में पाठ्य, भाषा, गुण, अलंकार आदि पर चर्चा
III	सात्विक अभिनय से विविध भावों को जानेंगे	6	सात्विक अभिनय के अंतर्गत आठ सात्विक भावों का विवेचन
III	आहार्य अभिनय के स्वरूप को समझेंगे	7	आहार्य अभिनय एवं इसके पुस्त आदि चार भेदों पर चर्चा
III	अभिनय के प्रमुख बिंदुओं की पुनरावृत्ति	8	अभिनय के अवशिष्ट विषयों पर चर्चा
III	नाट्यतत्त्व कथावस्तु को समझना	9	कथावस्तु का सामान्य परिचय
III	कथावस्तु के भेद-उपभेदों का ज्ञान प्राप्त करेंगे	10	स्वरूप की दृष्टि से कथावस्तु के भेद-आधिकारिक, प्रासंगिक
III	कथावस्तु के वर्गीकरण से परिचित होंगे	11	स्रोत की दृष्टि से कथावस्तु के भेद-प्रख्यात, उत्पाद्य, मिस्र
III	नाट्य धर्म की दृष्टि से कथा वस्तु को समझेंगे	12	पात्र एवं नाट्य धर्म की दृष्टि से कथा वस्तु के भेद
III	नाटक में अर्थप्रकृति एवं कार्य अवस्था के स्वरूप को समझना	13	कथावस्तु का संयोजन और विकास-अर्थप्रकृति, कार्यावस्था
III	नाटकों में संधि का ज्ञान प्राप्त करना	14	पाँच संधियाँ- मुख, प्रतिमुख, निर्वहन आदि
III	पाँच अर्थोपक्षेपक के स्वरूप का ज्ञान	15	कथावस्तु में अर्थोपक्षेपक- विष्कम्भक, प्रवेशक, चुलिका आदि
III	परीक्षा उपयोगी बिंदुओं को समझना	16	अवशिष्ट विषयों पर चर्चा

Unit	Contents/Syllabus
I	Unit I : Origin and development of stage in different ages: Pre-historic, Vedic age. Epic-puranic age

II	Unit II -Theatre: Types and Constructions
III	Unit III Drama: Subject-Matter (vastu), Acting: Āṅgika, Vācika, Sāttvika and Āhāry.
Sr. No.	Name of Authors/Books/Publishers
1.	1.राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाट्य स्वरूप एवंपरम्परा, संस्कृत परिषद्, सागर मध्य प्रदेश 1988 2.हजारी प्रसाद द्विवेदी (सं.), नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा एवंदशरूपक,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1963 3.सीताराम झा, नाटक और रंगमंच, बिहार राजभाषा परिषदपटना 1982 4.बाबूलाल शुक्ल शास्त्री (सम्पा.), नाट्यशास्त्र (1-4 भाग), चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1984
2.	1.राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाट्य स्वरूप एवंपरम्परा, संस्कृत परिषद्, सागर मध्य प्रदेश ,1988 2. हजारी प्रसाद द्विवेदी (सं.), नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा एवंदशरूपक,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1963
3.	1. सीताराम झा, नाटक और रंगमंच, बिहार राजभाषा परिषदपटना 1982 2. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री (सम्पा.), नाट्यशास्त्र (1-4 भाग), चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1984 3. बृजमोहन चतुर्वेदी, नाट्यशास्त्रम्, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2003

				Paper C
Credits	Lecture (L)	Tutorial (T)		
1	1	0		
				Assessment
S.No.	Component	Marking Scheme		
1	Internal Assessment	ST – I.A : 12+12+6=30		
	• Assignment	12		
	• Class Test	12		

	Attendance	06		
2.	Continuous Assessment (Tutorial)	C.A: 20+15+05=40		
	Activity 1	20		
	Activity 2	15		
	Attendance	05		
3.	Practical			
	Continuous Assessment			
	End Term Written/Practical Exam			
	Viva			
4.	End Semester Examination			



Indraprastha College for Women University of Delhi

Work Plan for ODD SEMESTER – 2026

Course Name:	B.A.Programme
Paper Title:	DSC- Major: Geeta and Upanishad
Unique Paper Code:	2132202302
Semester:	III
Faculty:	Dr. Kanta
Year:	2026- 27

Work Plan			
Unit No.	Learning Objective	Lecture No.	Topics to be Covered
III	उपनिषद् की शाब्दिक व्युत्पत्ति एवं परिभाषा से परिचय	1	उपनिषद् का सामान्य परिचय
III	उपनिषदों की संख्या व्यय रचनाकाल से अवगत होंगे	2	उपनिषदों की संख्या व रचना काल
III	उपनिषद साहित्य में वर्णित आत्मा एवं ब्रह्म के स्वरूप को समझेंगे	3	उपनिषदों के प्रतिपाद्य विषय- आत्मा, ब्रह्म

III	ईश्वर और जगत् के स्वरूप को जानेंगे	4	उपनिषदों में वर्णित विषय-ईश्वर, जगत्
III	उपनिषदों में कर्म एवं सृष्टि विषयक चिंतन को समझेंगे	5	अन्य प्रतिपाद्य विषय-कर्म सृष्टि आदि
III	उपनिषदों की नैतिक एवं दार्शनिक महत्ता को ग्रहण करेंगे	6	उपनिषदों का महत्त्व
III	ईशोपनिषद् के स्वरूप को समझेंगे	7	ईशावास्य उपनिषद् का परिचय
IV	इसमें वर्णित विभिन्न विषयों का संक्षिप्त अवलोकन करेंगे	8	ईशोपनिषद् में वर्णित विषयों का परिचय
IV	ईश्वर एवं जगत् के पारस्परिक संबंध, त्याग भावना एवं निष्काम कर्म मार्ग को समझेंगे	9	ईशोपनिषद् में वर्णित ईश्वर और जगत् का स्वरूप, कर्म-मार्ग
IV	आत्मा का हनन करने वाले साधक की स्थिति को समझेंगे	10	ईशोपनिषद् में वर्णित आत्महन्ता पर चर्चा
IV	आत्मा के स्वरूप को जानेंगे	11	आत्मा का स्वरूप, आत्मा और जीव में अभेद दृष्टि का फल
IV	विद्या और अविद्या के वास्तविक अर्थ से परिचित होंगे	12	विद्या-अविद्या का स्वरूप, दोनों की उपासना का फलभेद
IV	सम्भूति-असम्भूति के समन्वयात्मक स्वरूप को समझेंगे	13	सम्भूति-असम्भूति का स्वरूप, इनके युगपद् उपासना का फल
IV	सत्य के अवधारणा को समझ सकेंगे	14	सत्य का स्वरूप
IV	ब्रह्म प्राप्ति के मार्ग से परिचित होंगे	15	सत्य के स्वरूप को जानने के उपरान्त ज्ञान प्राप्ति
IV	परीक्षा उपयोगी बिंदुओं को समझेंगे	16	अवशिष्ट विषयों पर चर्चा

Unit	Contents/Syllabus
I	Unit I : General introduction to Philosophy of Gita :Jnana Yoga, Karmayoga and Bhakti Yoga. ● Chapter Two – (Verse: 09-30) :Nature of Atman, (Text Reading, Grammar, Translation, Explanation, Question based on Shlokas.
II	Unit II Gita: Chapter Two – (Verse: 31-54) :Karmyoga, (Text Reading, Grammar, Translation, Explanation, Question based on Shlokas) ●Chapter Two – (Verse: 55-68) :Sthitaprajna, (Text Reading, Grammar, Translation, Explanation, Question based on Shlokas.

III	Unit III : General Introduction to Upaniṣadic Philosophy General Introduction to Upaniṣadic Philosophy: ātman, brahman, īśvara, karma, sṛṣṭi.
IV	Unit IV Upaniṣad: Īśāvāsyopniṣad ●Text Introduction to Īśāvāsyopniṣad ●Text Reading of Īśāvāsyopniṣa
Sr. No.	Name of Authors/Books/Publishers
1	1. भगवद्गीता, शाङ्करभाष्य अनुवाद सहित, अनुवादक- श्री हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर। 2. गीताभाष्यनवाम्बरा, डा. शिवनारायण शास्त्री 3. श्रीमद्भगवद्गीता, साधकसंजीवनी टीका, रामसुखपरमदास, गीताप्रेस गोरखपुर
2	1. भगवद्गीता, शाङ्करभाष्य अनुवाद सहित, अनुवादक- श्री हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर। 2. गीताभाष्यनवाम्बरा, डा. शिवनारायण शास्त्री 3. श्रीमद्भगवद्गीता, साधकसंजीवनी टीका, रामसुखपरमदास, गीताप्रेस गोरखपुर
3	1. हनुमान प्रसाद पोद्दार (सम्पादक), ईशावास्योपनिषद्, गीताप्रेस गोरखपुर । 2. शिवनारायण शास्त्री , ईशावास्योपनिषद्, परिमल प्रकाशन, दिल्ली, 1996 । 3. शशि तिवारी, ईशावास्योपनिषद्: भूमिका एवं व्याख्या, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
4	1. हनुमान प्रसाद पोद्दार (सम्पादक), ईशावास्योपनिषद्, गीताप्रेस गोरखपुर । 2. शिवनारायण शास्त्री , ईशावास्योपनिषद्, परिमल प्रकाशन, दिल्ली, 1996 । 3. शशि तिवारी, ईशावास्योपनिषद्: भूमिका एवं व्याख्या, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

				Paper C
Credits	Lecture (L)	Tutorial (T)		
2	1	1		
				Assessment
S.No.	Component	Marking Scheme		
1	Internal Assessment	I.A: 12+12+6=30		
	• Assignment	12		
	• Class Test	12		
	• Attendance	06		
2.	Continuous Assessment (Tutorial)	C.A: 20+15+5=40		
	• Activity 1	20		

	- Activity 2 - Attendance	15		
		05		
3.	Practical			
	Continuous Assessment			
	End Term Written/Practical Exam			
	Viva			
4.	End Semester Examination			